।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. मन, वचन और काया के व्यापार को क्या कहते हैं? .....

२. किसके लिए साहस होना जरूरी है? .....

३. तीर्थंकर के शिष्य कौन होते हैं? .....

४. झंडे को कैसा फहराया जाएं? .....

५. Who Win the toss? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानिए। **(५)**

१. जैन दर्शन में शक्ति के अनुसार गुणव्रतों को ग्रहण करना याने सम्यक् दर्शन है। .....

२. संसारी आत्मा जिसमें निवास करती है,वह 'शरीर' है। .....

३. आगम आध्यात्मिक साधना का रहस्य बताते हैं। .....

४. जैन शब्द का निर्माण 'जिन' शब्द से हुआ है। .....

५. शारीरिक सौंदर्य पर घमंड करना चाहिए। .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. When I Break something, I ..... it.

२. अलग-अलग है ..... हमारे, फिर भी सबके तत्त्व एक है।

३. धरती को मुस्कान बांटता, पानी चांदी, पानी ही .....।

४. निंदीया त्यागो ..... छोडो, जागो, जागो हुआ सवेरा।

५. ..... ने ही देव मिलाए, मन को मीठे सेब खिलाए।

प्रश्न ४. अंकों में जवाब दीजिए। **(५)**

१. कितने ज्ञान चारों गति के जीवों को होते हैं? .....

२. भद्रबाहु स्वामी कितने पूर्वधर हुए? .....

३. अधोलोक में कितने नरक हैं? .....

४. मनोयोग कितने हैं? .....

५. अज्ञान कितने हैं? .....

प्रश्न ५. सुभाषित के एक पद को पूर्ण कीजिए। **(४)**

१. ..... सर्वत्र सुखी लोकः।

२. सर्वे सन्तु .....।

३. ज्ञानिभ्यो .....।

४. ..... जानन्ति गुणान्।

प्रश्न ६ 'सेवितव्यो...............' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ७ 'पानी सहेंजे' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८ 'आठवां बोल' पूर्ण बोलिए। (४)

प्रश्न ९ (१२)

सूचना – निम्नलिखित वाक्यों से ये कौन से उपयोग है पहचानिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. किसी भी देश या धर्म के गौरव का प्रतीक क्या माना जाता है? .....
२. भगवान चंपानगरी में पधारे तब वहां कौनसा संन्यासी आया? .....
३. हर कार्य करने से पूर्व गुरु या बड़ों की क्या लेनी चाहिए? .....
४. वस्तु के विशेष स्वरूप को गलत रूप में जानना क्या है? .....
५. काली मिट्टी में बारिश पड़ने पर क्या निकल आते हैं? .....
६. मन, वचन और काया के व्यापार को क्या कहते हैं? .....
७. किसके लिए साहस होना जरूरी है? .....
८. तीर्थंकर के शिष्य कौन होते हैं? .....
९. झंडे को कैसा फहराया जाएं? .....
१०. Who Win the toss? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. When I Break something, I ..... it.
२. अलग-अलग है ..... हमारे, फिर भी सबके तत्त्व एक है।
३. धरती को मुस्कान बांटता, पानी चांदी, पानी ही .....।
४. निंदीया त्यागो ..... छोडो, जागो, जागो हुआ सवेरा।
५. ..... ने ही देव मिलाए, मन को मीठे सेब खिलाए।
६. ..... उपदेशों को अब हमें करना है आत्मसात।
७. तपकर ..... सा निखरें हम ऐसी राह दिखाओ।
८. पानी ..... जीवन का, क्यों करते हम नादानी?
९. ..... ने इसे उठाया, भारत को संदेश सुनाया।
१०. I choose to be .....

प्रश्न ३. सही या गलत पहचानिए। **(१०)**

१. जैन दर्शन में शक्ति के अनुसार गुणव्रतों को ग्रहण करना याने सम्यक् दर्शन है। .....
२. संसारी आत्मा जिसमें निवास करती है,वह 'शरीर' है। .....
३. आगम आध्यात्मिक साधना का रहस्य बताते हैं। .....
४. जैन शब्द का निर्माण 'जिन' शब्द से हुआ है। .....
५. शारीरिक सौंदर्य पर घमंड करना चाहिए। .....

६. कम्प्युटर का उचित उपयोग करके कागज बचाये। .....

७. Bad workman blames his tools. .....

८. यतना जैन धर्म का प्राण नहीं है। .....

९. भूख से दो कौर कम खाएं। .....

१०. मंत्र का उच्चारण स्पष्ट हो। .....

प्रश्न ४. सुभाषित का एक पद पूर्ण कीजिए। **(१०)**

१. दीर्घो बालानां ..... सद्धर्मम् अविजानताम्।

२. दिवसेनैव तत् कुर्याद येन रात्रौ ..... वसेत्।

३. ..... नीयन्ते धीर्ह्रीश्रीकान्तिकीर्तयः।

४. ..... सह समागतात्।

५. सेवितव्यो ..... ।

६. ..... सर्वत्र सुखी लोकः।

७. आगतं हि भयं .....।

८. सर्वे सन्तु .....।

९. ज्ञानिभ्यो .....।

१०. ..... जानन्ति गुणान्।

प्रश्न ५. अंकों में जवाब दीजिए। **(१०)**

१. कितने कर्मों से बना हुआ शरीर कार्मण शरीर कहलाता है? .....

२. सनत्कुमार चक्रवर्ती के शरीर में कितने महारोग उत्पन्न हुए? .....

३. वैक्रिय शरीर में हड्डी आदि कितनी धातुएं नहीं होती हैं? .....

४. २४ तीर्थंकरों में कितने तीर्थकरों का स्वर्णिम रंग हैं? .....

५. जैन धर्म के कितने तीर्थकरों का रंग सफेद हैं? .....

६. कितने ज्ञान चारों गति के जीवों को होते हैं? .....

७. भद्रबाहु स्वामी कितने पूर्वधर हुए? .....

८. अधोलोक में कितने नरक हैं? .....

९. मनोयोग कितने हैं? .....

१०. अज्ञान कितने हैं? .....

प्रश्न ६. किसने किससे कहा, पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. जैन तत्त्वों की रक्षा में पर्यावरण की सुरक्षा है। .....

२. जाओ वापिस! तुमको स्थूलिभद्र वहीं मिलेंगे। .....

३. अब बताइए, कैसा लग रहा है मेरा सौन्दर्य? .....

४. सुलसा श्राविका को धर्मसंदेश कहना। .....

५. मैंने कौनसा गलत प्रयोग किया? .....

प्रश्न ७. एक वाक्य में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. स्वस्तिक के उपर कितने बिंदु हैं? और वे किसके प्रतीक हैं?

.....

२. ज्ञान के पांच भेदों के नाम लिखिए।

.....

३. कैसे खडे रहें? २ points लिखिए।

.....

४. आगम किसे कहते हैं?

.....

५. प्राण किसे कहते हैं?

.....

प्रश्न ८. जोड लगाइए। **(१०)**

अ–स्तंभ		**ब–स्तंभ**	**अ–स्तंभ**	**ब–स्तंभ**
१. तीर्थंकर	अ.	स्थूलिभद्र	१.	.....
२. १४ पूर्वों का अध्ययन	आ.	आप्त पुरुष	२.	.....
३. सौन्दर्यशाली व्यक्ति	इ.	अंबड	३.	.....
४. ज्ञानराशि का सार	ई.	सनत्कुमार चक्रवर्ती	४.	.....
५. चमत्कारी संन्यासी	उ.	६८ अक्षर	५.	.....
६. उत्तराध्ययन सूत्र	ऊ.	अहिंसा	६.	.....
७. पर्यावरण दिन	ए.	अर्धमागधी	७.	.....
८. सर्व श्रेष्ठ धर्म	ऐ.	४८ घंटे संदेश	८.	.....
९. जैन दर्शन का प्राण	ओ.	५ जून	९.	.....
१०. जनभाषा	औ.	सम्यक् दर्शन	१०.	.....

प्रश्न ९. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प क्रमानुसार पूर्ण लिखिए। **(३)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १०. 'सेवितव्यो.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सूचना – निम्नलिखित वाक्यों से ये कौन से उपयोग है पहचानिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **द्वितीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ५)

प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. आसक्ति से ही तृप्ति मिलती, बात ये ..... में कही।
२. मूलमंत्र यह ही जीवन का, अपने को ..... करो।
३. .....'s important tool is time.
४. इस महामंत्र ..... बिना हमदर्द हमारा कोई नहीं।
५. जयवंत हो, जयवंत हो, ... धर्म तीनों लोक में।

प्रश्न २. अंकों में जवाब बताइए। **(५)**

१. आपके पाठ्यक्रम में कितनी Activities हैं? .....
२. तीर्थंकरों के कितने कल्याणक होते हैं? .....
३. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प कितने हैं? .....
४. जीवन के मूल तत्त्व कितने हैं? .....
५. गुणस्थान कितने हैं? .....

प्रश्न ३. ये कौन है, पहचानकर बताइए। **(५)**

१. आनंद को खमानेवाले कौन थे? .....
२. किसकी वाणी में मिठास होती है? .....
३. हमारे २२ वें तीर्थंकर कौन हैं? .....
४. मर्यादापालन किसने किया? .....
५. हम किसके सेनानी है? .....

प्रश्न ४. सुभाषित का पद पूर्ण कीजिए। **(५)**

१. नासत्यं च ..... ब्रूयात्।
२. मनसा, ... दृष्ट्या।
३. दानमहिंसा परमं .....।
४. विद्यार्थी ..... लक्षणम्।
५. ..... कुर्वन्ति साधवः।

प्रश्न ५. ये गुण आत्मा में किस कर्म के क्षय से प्रकट होते हैं, पहचानकर बताइए। **(५)**

१. अटल अवगाहना .....
२. अनंतज्ञान .....

३. अनंतदर्शन ....

४. अगुरुलघु ....

५. अनंतवीर्य ....

प्रश्न ६. अभिगम किसे कहते हैं? वे कौन–से हैं, बताइए। (५)

प्रश्न ७ 'भूमिः कीर्तिः ....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८ 'वह बालक बुरा' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ९ (१०)

सूचना – निम्नलिखित चित्रों के लिए कविता की उचित पंक्तियां लिखिए।

जैसे –   Time can heal all wounds

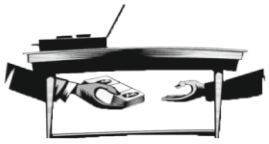

←..................................

..................................→

←..................................

..................................→

←..................................

..................................→

←..................................

..................................→

←..................................

..................................→

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **द्वितीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ५)

प्रश्न १. ये कौन है, पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. सेठ की समस्या को समझनेवाले व्यक्ति कौन? .....

२. रोजाना संध्या के समय प्रवचन कौन देते थे? .....

३. एक सौ आठ गुण का धारी कौन है? .....

४. Who's Mathematics was weak? .....

५. अयोध्या के राजकुमार कौन थे? .....

६. आनंद को खमानेवाले कौन थे? .....

७. किसकी वाणी में मिठास होती है? .....

८. हमारे २२ वें तीर्थंकर कौन हैं? .....

९. मर्यादापालन किसने किया? .....

१०. हम किसके सेनानी है? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. आसक्ति से ही तृप्ति मिलती, बात ये ..... में कही।

२. मूलमंत्र यह ही जीवन का, अपने को ..... करो।

३. .....'s important tool is time.

४. इस महामंत्र ..... बिना हमदर्द हमारा कोई नहीं।

५. जयवंत हो, जयवंत हो, ... धर्म तीनों लोक में।

६. ..... के कारण ही तो, हुआ जीवन में अंधेरा।

७. एक पल में ही छोड़ा, ... कर्म बुरा।

८. तो पा ही लेगें आखिर आत्म .....।

९. पृथ्वी, पानी, वनस्पति में ..... होती।

१०. धरम है ..... भाषण हमारा।

प्रश्न ३. क्या आप जानते हैं? **(९)**

१. डॉ. अब्दुल कलाम राष्ट्रपति भवन से कितनी बैग लेकर निकले? .....

२. Who sings when the clawn is still dark? .....

३. गोपाल कृष्ण गोखले के प्रश्नों को किसने छुडाया? .....

४. वॉरेन बफेट ने हर साल क्या देने की घोषणा की थी? .....

५. कुमारपाल राजा ने किसका उपदेश सुना? .....

६. What is really belongs to us? .....

७. नाजिया खान कहां की निवासी थी? .....

८. चंद्रशेखर आजाद ने क्या लौटा दीं? .....

९. सुकरात की पहचान किससे थी? .....

प्रश्न ४. ये गुण आत्मा में किस कर्म के क्षय से प्रकट होते हैं, पहचानकर लिखिए। **(८)**

१. अटल अवगाहना		५. अगुरुलघु	
२. क्षायिक सम्यक्त्व		६. अमूर्तिक	
३. अनंतदर्शन		७. अनंतसुख	
४. अनंतज्ञान		८. अनंतवीर्य	

प्रश्न ५. अंकों में जवाब लिखिए। **(६)**

१. आपके पाठ्यक्रम में कितनी Activities हैं? .....

२. तीर्थंकरों के कितने कल्याणक होते हैं? .....

३. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प कितने हैं? .....

४. जीवन के मूल तत्त्व कितने हैं? .....

५. गुणस्थान कितने हैं? .....

६. शिक्षाव्रत कितने हैं? .....

प्रश्न ६. निम्नलिखित गुणस्थान कौनसे हैं, पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. इस गुणस्थान में शरीर की सुंदरता को अपना स्वरूप मानते हैं। .....

२. इस गुणस्थान में नये आयु का बन्ध नहीं होता। .....

३. क्षपक श्रेणीवाले को यह गुणस्थान नहीं होता। .....

४. इस गुणस्थान का दूसरा नाम अपूर्वकरण हैं । .....

५. साधु की सावधान दशा का नाम .....

प्रश्न ७. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. सदाचार से मन के साथ किसमें अच्छी बातें आसानी से भर सकेगी? .....

२. किसी दूसरे की किसी वस्तु से मन को दूर रखने को क्या कहते हैं? .....

३. महात्मा के पास आने वाला व्यक्ति बड़ा कैसा नजर आ रहा था? .....

४. गुरु जो फरमाते हैं उसे कैसे सुनना चाहिए? .....

५. पशुओं की क्या देखकर नेमीकुमार प्रसन्न हो गये? .....

६. सत्य के पीछे चलने से क्या प्राप्त होता है? .....

७. आत्मा के लिए कौनसा शब्द है? .....

८. क्या बहुत बुरी चीज है? .....

९. राजा वसु कैसा था? .....

१०. आत्मा में रमण करना क्या है? .....

प्रश्न ८. अभिगम किसे कहते हैं? वे कौन-से हैं, बताइए। **(६)**

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ९. जोड लगाइए। **(१०)**

अ–स्तंभ		ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. जीवरक्षा	अ.	की महिमा	१.	.....
२. सत्यमेव	आ.	बुरी बला	२.	.....
३. लालच	इ.	सदा सुखी	३.	.....
४. सदाचार	ई.	जयते	४.	.....
५. संतोषी	उ.	जन हितकारा	५.	.....
६. Time	ऊ.	वीर सेनानी	६.	.....
७. महावीर निर्वाण	ए.	बनाना तुम	७.	.....
८. अपरिग्रह	ऐ.	A Precious Gold	८.	.....
९. जीवन सफल	ओ.	दीपावली	९.	.....
१०. हम	औ.	पहला धर्म	१०.	.....

प्रश्न १०. सुभाषित का पद पूर्ण कीजिए। **(११)**

१. नासत्यं च ..... ब्रूयात्।

२. मनसा, ... दृष्ट्या।

३. दानमहिंसा परमं .....।

४. विद्यार्थी ..... लक्षणम्।

५. ..... कुर्वन्ति साधवः।

६. नास्ति .....समं सुखम्।

७. ..... चैव मृत्युश्च।

८. ..... नैव परित्यजेत्।

९. अपि मेरूसमं .....।

१०. अन्यदीये ....., रत्ने।

११. सेवाभावात् त्रितयं .....।

प्रश्न ११. 'भूमिः कीर्तिः ,.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सूचना – निम्नलिखित चित्रों के लिए कविता की उचित पंक्तियां लिखिए।

जैसे – Time can heal all wounds

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **तृतीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ६)

प्रश्न १. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. From how many years Gopal giving his service? .....
२. कचरा निकालते वक्त व्यक्ति के हाथ कितनी सोने की गिन्नीयां लगी? .....
३. श्रावक के कितने गुणों का वर्णन भगवती सूत्र में आया है? .....
४. अंतगड में कितनी मोक्षगामी आत्माओं का वर्णन है? .....
५. उपासक दशांग सूत्र में कितने श्रावकों का वर्णन है? .....
६. १८ पापों में से कितने पाप वाणी से संबंध रखते हैं? .....
७. श्रावक कितनी क्रियाओं के जानकार होते हैं? .....
८. अरिहंत देवों की सेवा कितने इन्द्र करते हैं? .....
९. छोटे वाले आलू कितने रूपये किलो थे? .....
१०. लोकप्रियता के कितने सूत्र हैं? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(८)**

१. आनंद मंगल करूं ..... संत चरण की सेवा।
२. सम्यक्त्व के ..... तत्त्व है, प्रभुवर ये बतलाते हैं।
३. ....., आये तव द्वार।
४. ..... की वाणी, हृदय में धरे।
५. तन से सेवा, धन से सहयोग, व्यवहार हो .....।
६. ..... है अनमोल, ना है उसका तोल।
७. आटे के लालच ने, ... को फंसाया।
८. ये जैनियों का पर्व प्यारा, ... है सबसे न्यारा।

प्रश्न ३. ये श्रावकजी के किस गुण की पहचान है, बताइए। **(१४)**

१. शांति, स्थिरता, समर्पण, समभाव विकसित होते हैं। .....
२. There is no duplicity in his conduct. .....
३. दूसरों को तकलीफ देनेवाली प्रवृत्ति न करना। .....
४. शरीर और आत्मा को भिन्न समझता है। .....
५. अपयश के कलंक से डरती है। .....
६. पाप से हमेशा दूर ही रहती है। .....
७. His life is balanced. .....

८. सही–गलत का विचार करता है। .....
९. शिकायती, क्रोधी नहीं होता है। .....
१०. जीव के प्रति सद्भाव होता है। .....
११. छह काय का रक्षक होता है। .....
१२. व्यवहार में विनम्र बने रहना। .....
१३. दूसरों के गुण खोजती है। .....
१४. तन से सेवा करना। .....

प्रश्न ४. यह घटना किसके साथ जुडी है, बताइए। **(९)**

१. खरगोश की प्राण रक्षा करके हाथी ने किसके रूप में जन्म लिया? .....
२. वृक्षों को बचाने के लिए किसने अपने प्राणों की आहुति दी? .....
३. किसने मालोजी को क्षमा करके अपना अंगरक्षक बनाया? .....
४. गांधीजी ने किसे आधुनिक युग के बडे ऋषि कहा? .....
५. किसकी सौम्यता से चंडकौशिक सर्प शांत हो गया? .....
६. सेवा के कारण कौन सबकी लोकप्रिय बन गई? .....
७. कौन चातुर्मास में नगरी से बाहर नहीं जाते थे? .....
८. तत्त्वों के ज्ञान से किसने सम्यक्त्व प्राप्त किया? .....
९. अपने श्रोत्रेन्द्रिय का सदुपयोग किसने किया? .....

प्रश्न ५. हां या ना बताइए। **(५)**

१. दो व्यक्तियों के बीच ना बोलें। .....
२. अपशब्दों का प्रयोग करें। .....
३. सोच विचार कर बोलें। .....
४. बिना पूछे सुझाव दें। .....
५. धीरे से बोलें। .....

प्रश्न ६. निम्नलिखित मिथ्यात्व कौनसे है, पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. पापों का सेवन करने से मोक्ष प्राप्त होता हैं।

– .....

२. यज्ञ में होनेवाली हिंसा को धर्म मानना।

– .....

३. चमत्कारी बाबा साधु होते हैं।

– .....

४. आत्मा को अचेतन मानना।

– .....

५. गणपतीजी मुक्त हुए हैं।

– .....

प्रश्न ७. निम्नलिखित विषय किस इन्द्रिय के हैं लिखिए। **(८)**

१. गुलाब	.....	५. कॅडबरी	.....
२. पत्थर	.....	६. कुंकुम	.....
३. मोती	.....	७. बांसुरी	.....
४. रुई	.....	८. मिर्च	.....

प्रश्न ८. निम्नलिखित तत्त्वों के भेदों की संख्या लिखिए। **(५)**

१. अजीव तत्त्व	.....
२. आश्रव तत्त्व	.....
३. निर्जरा तत्त्व	.....
४. पुण्य तत्त्व	.....
५. मोक्ष तत्त्व	.....

प्रश्न ९ सुभाषित का पद पूर्ण कीजिए। **(११)**

१. विषयचिंता तु .....।
२. षडेते ..... भागिनः।
३. .....नाशकरः परः।
४. एकः ..... कुरुते।
५. वाचां शौचं च .....।
६. पुमान् वाणैस्तु .....।
७. सत्यं ..... च यत्।
८. जितं ..... जिते रसे।
९. तस्य ..... प्रतिष्ठिता।
१०. ..... शान्ताय तेजसे।
११. प्रविश्याभ्यंतरं .....।

प्रश्न १० Following things comes under which type of media? **(४)**

१. Vacancy Hoarding	.....
२. Newspaper	.....
३. Google	.....
४. TV	.....

प्रश्न ११ तीर्थंकर की कोई भी ६ विशेषताएं लिखिए। **(६)**

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १२ 'क्षमावतामयं लोकः,.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १३ किताब में आये गीतों से पहेलियां छुडाइए। (१०)

आडी चावी –

१. कितना बोले

३. धर्म में हो

६. किससे भरे शब्द

दु:ख-दर्द हरते हैं?

८. भीतर इसकी चाह हो

९. ऐसी बुद्धि हो हमारी

खडी चावी –

२. वचन होने चाहिए

४. वाणी इससे रहित हो

५. रूप में फंसने वाला

(नीचे से ऊपर)

६. शब्द ऐसे हैं

७. इससे स्नेह झरे